



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 21 दिसम्बर, 1983/30 अग्रहायण, 1905

हिमाचल प्रदेश सरकार

कृषि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 7 दिसम्बर, 1983

संख्या एप्र-ए (3)10/81.—यतः खुले कड़ाह (पैन) की प्रक्रिया से खाण्डसारी चीनी के विनिर्माण को विनियमित करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा गन्ना (नियन्त्रण) आदेश, 1966 के खण्ड 7, 8 और 9 के अधीन प्रयोग की जाने वाली शक्तियां उक्त आदेश के खण्ड 11 के अधीन, भारत सरकार, कृषि मन्त्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना संख्या जी०एस०आर०, 660 (ई)ई-एस-एस कोम/शुगरवेन दिनांक 15 दिसम्बर, 1981 के द्वारा राज्य सरकार को प्रत्यायोजित कर दी गई है।

और यतः हिमाचल प्रदेश सरकार का यह विचार है कि खुले कड़ाह (पैन) की प्रक्रिया से खाण्डसारी चीनी के विनिर्माण को विनियमित करने हेतु ऐसा किया जाना आवश्यक तथा समीचीन है।

अतः हिमाचल प्रदेश सरकार को प्रत्यायोजित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल

सहर्ष निम्नलिखित आदेश करते हैं:—

हिमाचल प्रदेश खाण्डसारी चीनी विनिर्माता अनुज्ञापन आदेश, 1983।

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार तथा प्रारम्भ.—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश खाण्डसारी चीनी विनिर्माता अनुज्ञापन आदेश, 1983 है।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश पर है।

(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं.—इस आदेश में, जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ से विरुद्ध न हो,—

(क) “खाण्डसारी यूनिट” से गन्ने के रस अथवा राब से खाण्डसारी चीनी के विनिर्माण में रत या साधारणतः रत यूनिट अभिप्रेत है,

(ख) “खाण्डसारी चीनी” से खुले (पैन) कड़ाह प्रक्रिया से विनिर्मित चीनी अभिप्रेत है,

(ग) “खाण्डसारी अधिकारी” से इस आदेश के प्रयोजनार्थ राज्य सरकार द्वारा नियुक्त या ऐसा पदनामित व्यक्ति अभिप्रेत है,

(घ) “अनुज्ञप्ति” से, इस आदेश के उपबन्धों के अधीन अनुज्ञप्त अनुज्ञप्ति अभिप्रेत है,

(ङ) “अनुज्ञापन प्राधिकारी” से, खण्ड 6 में उल्लिखित प्राधिकारी अभिप्रेत है,

(च) “विनिर्माता” से, खाण्डसारी चीनी विनिर्माण करने का कारोबार चलाने वाला व्यक्ति अभिप्रेत है;

स्पष्टीकरण:—“व्यक्ति” के अन्तर्गत है अभिकर्ता या कर्मचारी,

(छ) “आरक्षित क्षेत्र” से गन्ना (नियन्त्रण) आदेश, 1966 के उपबन्धों के अधीन राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर आरक्षित कोई क्षेत्र अभिप्रेत है,

(ज) “अनुसूची” से, इस आदेश के साथ संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है,

(झ) “राज्य सरकार” से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत है,

(ञ) शब्द और पद जो इस आदेश में प्रयुक्त हैं, किन्तु यहां परिभाषित नहीं हैं, के वे ही अर्थ होंगे जो गन्ना (नियन्त्रण) आदेश, 1966 में उनके हैं।

3. अनुज्ञप्ति प्रदान करना.—(1) अनुसूची-I में विहित प्रारूप में अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा जारी की गई अनुज्ञप्ति के अतिरिक्त किसी भी मशाली दलित अथवा खाण्डसारी यूनिट अथवा दलित जो किसी गन्ना उत्पादक अथवा गन्ना उत्पादक निकाय से सम्बन्धित न हो, को (मास अक्टूबर, 1983) की पन्द्रह तारीख के पश्चात् कार्य करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(2) अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु आवेदन-पत्र उप-खण्ड (1) के अधीन अनुसूची II में विहित प्रारूप में अनुज्ञापन प्राधिकारी को दिया जायेगा और इसके साथ अनुसूची III में विहित अनुज्ञप्ति की फीस के भुगतान का खजाना चालान लगाया जायेगा।

(3) अनुज्ञप्ति प्रदान करने अथवा नवीकरण हेतु आवेदन-पत्र का निपटान अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा यथा सम्भव शीघ्र किया जायेगा और अस्वीकृत नहीं किया जायेगा उस स्थिति के अतिरिक्त जहां अनुज्ञापन प्राधिकारी की राय है कि लोकहित में ऐसा किया जाना निम्न दृष्टि से आवश्यक अथवा समीचीन है:—

(क) उद्योग के सर्वोत्तम हित में खाण्डसारी चीनी विनिर्माण करने वाले उद्योग को विनिर्मित करने, या

(ख) खाण्डसारी चीनी विनिर्माण करने वाले यूनिटों को अलाभकर केन्द्रीकरण से बचाने, या

(ग) निर्जल कड़ाह (खाली) चीनी कारखाने को गन्ने के प्रशोधित प्रदाय को सुनिश्चित करने:

परन्तु यह कि आवेदनपत्र को अस्वीकृत करने से पूर्व आवेदक को सुनवाई का अवसर प्रदान किया जायेगा:

परन्तु यह और भी कि अनुज्ञापन प्राधिकारी, किसी भी निर्जल कड़ाह चीनी कारखाने के आरक्षित क्षेत्र के भीतर अनुज्ञप्ति प्रदान नहीं करेगा जब तक कि इस बारे में उसका समाधान न हो जाए कि आवेदक वह व्यक्ति है जो हिमाचल प्रदेश खाण्डसारी चीनी निर्माता अनुज्ञापन आदेश, 1983 के प्रवर्तन से पूर्व ऐसे क्षेत्र में खाण्डसारी/चीनी विनिर्माण करने का यूनिट चला रहा है।

(4) उप-खण्ड (3) के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा जारी किये गये आदेश से व्यक्त आवेदक कथित आदेश की तिथि से तीस दिनों के भीतर राज्य सरकार के पास अपील कर सकता है, जिसका निर्णय अन्तिम होगा।

(5) अनुज्ञप्ति प्राप्त करने या नवीकरण के लिए आवेदन के अस्वीकृत किये जाने की स्थिति में उसे आदेश के विरुद्ध अपील करने की निहित परिसीमा की अवधि के अवसान के पश्चात् या समाप्ति अपील की अस्वीकृति पर यथा स्थिति, आवेदक, अनुज्ञप्ति फीस प्रतिदाय का हकदार होगा।

4. अवधि जिसके लिए अनुज्ञप्तियां जारी की जायेंगी.—खण्ड 3 के अधीन प्रदान की गई अनुज्ञप्ति प्रत्येक वर्ष के 30 सितम्बर तक विधिमान्य होगी, परन्तु कथित अवधि के अवसान से कम से कम 30 दिन पूर्व, आवेदन करने पर खण्ड 3 के उप-खण्ड (3) के उपबन्धों के अध्याधीन अनुमूची III में विहित फीस के भुगतान करने पर प्रथम अवतार से, अधिक से अधिक 12 महीनों के लिए समय-समय पर नवीकृत किया जा सकता है:

परन्तु यह कि उक्त उल्लिखित अवधि के अवसान के पश्चात् अनुमूची IV में विहित फीस के भुगतान करने पर अनुज्ञापन प्राधिकारी, अनुज्ञप्ति के नवीकरण हेतु आवेदन ग्रहण कर सकता है।

5. अनुज्ञप्ति की दूसरी प्रति प्रदान करना.—इस आदेश के अधीन जारी की गई अनुज्ञप्ति यदि विकृत, गुप्त अथवा नष्ट हो जाती है, तो अनुज्ञापन प्राधिकारी दो रुपये की फीस भुगतान करने पर उसकी दूसरी प्रति जारी कर सकता है।

6. अनुज्ञापन प्राधिकारी.—हिमाचल प्रदेश का गन्ता आयुक्त अनुज्ञापन प्राधिकारी होगा।

7. अनुज्ञप्ति का निलम्बन या रद्दकरण.—(1) इस आदेश के किन्हीं उपबन्धों अथवा अनुज्ञप्ति की किसी शर्त के उल्लंघन की स्थिति में अनुज्ञापन प्राधिकारी, इस आदेश के अधीन जारी की गई अनुज्ञप्ति को निलम्बित अथवा रद्द कर सकता है:

परन्तु यह कि अनुज्ञप्तिधारी को सुनवाई का अवसर प्रदान किये बिना कोई अनुज्ञप्ति रद्द नहीं की जायेगी।

(2) उप-खण्ड (1) के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारी के आदेश के विरुद्ध अपील कथित आदेश की तिथि से 30 दिनों के भीतर, राज्य सरकार को की जा सकती है, जिसका निर्णय उसपर अन्तिम होगा।

(3) उप-खण्ड (1) के अधीन अनुज्ञप्ति का निलम्बन या रद्दकरण अनुज्ञप्तिधारी को किसी प्रकार का प्रतिकर या ऐसी अनुज्ञप्ति के लिए दी गई किसी फीस के प्रतिदाय का हकदार नहीं बनायेगा।

8. अनुज्ञापन प्राधिकारी की शक्ति.—अनुज्ञापन प्राधिकारी अथवा इस सम्बन्ध में राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति इस आदेश के अनुपालन की दृष्टि से निम्न कार्यवाही कर सकता है:—

(क) खाण्डसारी चीनी के विनिर्माण की किसी प्रक्रिया के सम्बन्ध में किसी विनिर्माता से उसके कब्जे में किसी सम्बन्धित जानकारी के मांगने;

(ख) अनुज्ञप्तिधारी से ऐसे अभिलेख, आंकड़े या जानकारी तैयार करने, देने या प्रस्तुत करने की अपेक्षा करने, जैसा समय-समय पर आवश्यक हो;

(ग) किसी व्यक्ति, जिसके सम्बन्ध में उसके विश्वास हेतु कारण हो कि उसने आदेश का उल्लंघन किया है अथवा किए जाने की सम्भावना है उसके नियन्त्रणाधीन पुस्तकों अथवा दस्तावेजों तथा खाण्डसारी चीनी के किसी स्टॉक का निरीक्षण करने और ऐसी पुस्तकों अथवा दस्तावेजों को परीक्षण या संवीक्षण हेतु अपने कब्जे में लेने,

- (घ) किसी परिसर, स्थान या वाहन में प्रवेश और तलाश करने और किसी वस्तु को अभिग्रहण करने, जिसके बारे में अनुज्ञापन प्राधिकारी या इस निमित्त प्राधिकृत व्यक्ति के पास विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश का उल्लंघन किया गया है या किए जाने की आशंका है,
- (ङ) खाण्डसारी चीनी के विनिर्माण में प्रयुक्त किसी उपकरण को अभिग्रहण करने और अभिरक्षा में रखने, जिसके बारे में इस आदेश के किन्हीं उपबन्धों या अनुज्ञप्ति की किसी शर्त का उल्लंघन किया गया है या किए जाने की आशंका है।

9. शास्त्रियां.—यदि कोई व्यक्ति इस आदेश के किसी उपबन्ध या अनुज्ञप्ति की किसी शर्त का उल्लंघन करता है, तो वह आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के उपबन्धों के अनुसार दण्डनीय होगा।

आदेश द्वारा,  
बी० सी० नैगी,  
वित्तियुक्त (विकास) एवं सचिव कृषि।

### अनुसूची-I

#### अनुज्ञप्ति का प्रपत्र

[खण्ड-3 (I)]

अनुज्ञप्ति संख्या..... दिनांक.....  
श्री..... पुत्र श्री.....  
फर्न..... ग्राम.....  
डाकखाना..... तहसील..... जिला.....  
को एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन स्थापित करने की अनुमति प्रदान की जाती है :—  
1. मशीनी दलित्र / दलित्र.....  
2. खाण्डसारी यूनिट..... जिला.....  
तहसील.....

1. अनुज्ञप्तिधारी, अनुज्ञप्त क्षमता या मशीनी दलित्र या खाण्डसारी यूनिट के स्थान में अनुज्ञापन प्राधिकारी की पूर्ण अनुज्ञा के बिना किसी प्रकार का विस्तार, परिवर्धन अथवा परिवर्तन नहीं करेगा।

2. अनुज्ञप्तिधारी जब तककि उसे अनुज्ञापन प्राधिकारी या राज्य सरकार द्वारा विधिवत सम्यक रूप से प्राधिकृत अधिकारी के विशेष आदेश द्वारा इस शर्त के अनुपालन न करने की छूट न दी गई हो पर गए गन्ने, विनिर्मित खाण्डसारी चीनी तथा भण्डार में रखी गई या प्रेषित की गई चीनी के परिमाण का दैनिक हिसाब रखेगा। खाण्डसारी अधिकारी या अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञप्तिधारी, सारे परिसर के निरीक्षण के प्रयोजनार्थ, जहाँ खाण्डसारी चीनी के उत्पादन सम्बन्धी अनुज्ञप्ति के अधीन कोई प्रक्रिया चालू है, सीधी पहुंच की तुरन्त अनुमति देगा और मांग करने पर समस्त अभिलेखों को, जो उस द्वारा रखे जाने अपेक्षित हैं, परीक्षण हेतु प्रस्तुत करने के लिए बाध्य होगा। खाण्डसारी अधिकारी अथवा अनुज्ञापन प्राधिकारी के निरीक्षण हेतु उसके पास पड़ा स्टॉक तथा भण्डारण का स्थान खुला रहेगा।

3. अनुज्ञप्ति की किन्हीं शर्तों अथवा आदेश के उल्लंघन करने पर अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञप्ति निलम्बित अथवा रद्द होने की दायी है। निलम्बित अनुज्ञप्ति के अन्तर्गत आने वाले मशीनी दलित्र/दलित्र तथा खाण्डसारी यूनिट को इन आदेशों के प्रयोजनार्थ अनुज्ञप्ति को निलम्बित करने वाले प्राधिकारी के नये आदेशों के बिना पुनः चालू नहीं किया जायेगा।

4. अनुज्ञप्तिधारी, राज्य सरकार या उस द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति के ऐसे और अनुदेशों का पालन करेगा जो समय-समय पर आदेश के प्रयोजनार्थ और कार्यान्वयन हेतु जारी किए जायेंगे जिसके अधीन अनुज्ञप्ति जारी की गई है।

5. अनुज्ञप्ति..... तिथि तक विधिमान्य रहेगी जब तक कि अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा यह निलम्बित, रद्द या समय में विस्तारित नहीं कर दी जाती है।

अनुज्ञापन प्राधिकारी।

## अनुसूची-II

### (आवेदन पत्र-I)

#### [खण्ड 3 (2)]

खाण्डसारी चीनी के विनिर्माण करने हेतु मशीनी दलित/दलित को संस्थापित करने का उपयोग करने के लिए अनुज्ञप्ति प्राप्त करने अथवा नवीकरण के लिए आवेदन का प्रारूप

1. आवेदक का नाम
2. जनकता/फर्म का नाम
3. पूरा पता
4. मौसम जिसके लिए अनुज्ञप्ति या उसके नवीकरण के लिए आवेदन किया गया है:
5. नगर या ग्राम तथा तहसील के नाम सहित परिसर या स्थान जहां पर मशीनी दलित/दलित और खाण्डसारी यूनिट का संस्थापित या उपयोग किया जाना प्रस्तावित है।
6. मशीनी दलित/दलित/खाण्डसारी यूनिटों की संख्या जिसके लिए अनुज्ञप्ति अपेक्षित है उनका आकार तथा प्रतिदिन गन्ने की पेराई की क्षमता
7. नवीकरण की स्थिति में पूर्ववर्ती अनुज्ञप्ति की संख्या तथा तिथि
8. क्या आवेदक ने पूर्ववर्ती तीन वर्षों में मशीनी दलित/दलित/खाण्डसारी यूनिटों की संस्थापना की है? यदि ऐसा है तो मशीनी दलित/दलित/खाण्डसारी यूनिटों की संख्या तथा तैयार की गई खाण्डसारी चीनी का परिमाण दिया जाए
9. क्या आवेदक ने विहित दरों पर अनुज्ञप्ति फीस सरकारी खजाने में जमा करवाई है
10. कृपया निम्नलिखित विवरण दें :-

खजाना चालान संख्या ..... दिनांक ..... खजाना ..... तथा इस की अनुलिपि संलग्न की जाए।

आवेदक के हस्ताक्षर

मैंने/हमने हिमाचल प्रदेश खाण्डसारी चीनी विनिर्माता अनुज्ञापन आदेश, 1983 के उपबन्धों को पढ़ लिया है और मैं समझता हूँ/समझते हैं कि मुझे/हमें जारी की गई अनुज्ञप्ति आदेश के उपबन्धों के अधीन होगी तथा ऐसी अनुज्ञप्ति की किसी शर्त का उल्लंघन आदेश का उल्लंघन समझा जाएगा।

मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार उक्त सूचना ठीक तथा पूर्ण है।

स्थान.....  
दिनांक.....

आवेदक के हस्ताक्षर।

टिप्पणी:—यह आवेदन-पत्र सम्बन्धित क्षेत्र के खाण्डसारी अधिकारी के माध्यम से भेजा जाएगा जो अपनी रिपोर्ट सहित इसे अनुज्ञापन प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

### अनुसूची-III

(खण्ड-4)

फीस

प्रत्येक वर्ष का उसके किसी भाग में 30 सितम्बर तक समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अनुज्ञप्ति फीस:—

	₹0 पैसे
(क) प्रति मशीनी दलित	300-00
(ख) प्रति पावर चालित खाण्डसारी यूनिट	150-00
(ग) प्रति हस्तचालित खाण्डसारी यूनिट	10-00
(घ) प्रति दलित खाण्डसारी यूनिट	50-00

### अनुसूची-IV

विलम्बित फीस

(खण्ड-4)

(1) आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि पहले 30 दिन अथवा उसके किसी भाग के लिए	15-00
(2) पहले 30 दिन के अवसान के पश्चात् अगले 30 दिनों के लिए	25-00
(3) किसी अन्य अनुवर्ती विलम्ब के लिए	50-00

लेखा शीर्ष:—कृषि प्राप्तियां—कृषि प्राप्तियां—गन्ना आयुक्त, हिमाचल प्रदेश।

[Authoritative English version of Agriculture Department Notification No. Agr. A(3)/10/81, dated 7th December, 1983.]

## AGRICULTURE DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 7th December, 1983

No. Agr-A (3)-10/81.—Whereas the power to regulate the manufacture of Khandsari sugar by the open pan process, exercisable by the Central Government under clauses 7, 8 and 9 of the Sugarcane (Control) Order, 1966 has been delegated to the State Government under clause 11 of the said order, vide Government of India, Ministry of Agriculture (Department of Food), Notification No. G. S. R. 660 (E)/ESS. Com./Sugarcane, dated the 15th December, 1981;

And whereas the Government of Himachal Pradesh is of the opinion that it is necessary and expedient so to do for regulating the manufacture of Khandsari sugar by the open pan process.

Now, therefore, in exercise of the powers delegated to the Government of Himachal Pradesh, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following Order:—

# THE HIMACHAL PRADESH KHANDSARI SUGAR MANUFACTURERS' LICENSING ORDER, 1983

**1. Short title, extent & commencement.**—(1) This Order may be called the Himachal Pradesh Khandsari Sugar Manufacturers' Licensing Order, 1983.

(2) It extends to the whole of Himachal Pradesh.

(3) It shall come into force at once.

**2. Definitions.**—In this Order unless there is any thing repugnant in the subject or context,—

- (a) 'khandsari unit' means a unit engaged or ordinarily engaged in the manufacture of khandsari sugar from sugarcane juice or rab;
- (b) 'khandsari sugar' means sugar manufactured by open pan process;
- (c) 'khandsari officer' means a person appointed or designated as such by the State Government for purposes of this order;
- (d) 'licence' means a licence granted under the provision of the order ;
- (e) 'licensing authority' means the authority mentioned in clause 6 ;
- (f) 'manufacturer' means a person carrying on the business of manufacturing khandsari ;

*Explanation.*—"person" shall include an agent or a servant.

- (g) 'reserved area' means any area reserved by the State Government from time to time under the provision of Sugarcane (Control) Order, 1966 ;
- (h) 'Schedule' means a Schedule appended to this order;
- (i) 'State Government' means the Government of Himachal Pradesh ;
- (j) words and expressions used in the order but not defined here, shall have the meaning assigned to them in the Sugarcane (Control) Order, 1966.

**3. Grant of Licences.**—(1) No power crusher or a khandsari unit or a crusher not belonging to a grower or body of growers of sugarcane shall be worked after fifteenth of October, 1983, except under and in accordance with a licence to be issued by the licensing authority in the form prescribed in Schedule-I.

(2) An application for a licence under sub-clause (1) shall be made to the licensing authority in the form prescribed in Schedule II and shall be accompanied with a Treasury challan for the licence fee prescribed in Schedule -III.

(3) An application for the grant or renewal of a licence shall be disposed of by the Licensing Authority as expeditiously as may be possible and shall not be rejected except in a case where the Licensing Authority is of the opinion that it is necessary or expedient so to do in the public interest with a view to:—

- (a) regulate khandsari sugar manufacturing industry in the best interests of the industry ; or

- (b) avoid uneconomic concentration of khandsari sugar manufacturing units ; or
- (c) ensure adequate supplies of sugarcane to vaccum pan sugar factory:

Provided that before an application is rejected the applicant shall be given an opportunity of being heard:

Provided further that the Licensing Authority shall not grant a licence within the reserved area of any vaccum pan sugar factory unless it is satisfied that the applicant is a person who has been operating before, the enforcement of the Himachal Pradesh Khandsari Sugar Manufacturers' Licensing Order, 1983 a unit of manufacturing khandsari sugar within such area.

(4) An applicant aggrieved by an order of the Licensing Authority under sub-clause (3) may, within thirty days from the date of the said order, prefer an appeal to the State Government whose decision thereon shall be final.

(5) In case of rejection of an application for grant of renewal of a licence, the applicant shall be entitled to a refund of the licence fee after the expiry of the period of limitation prescribed for filing an appeal against that order or on the rejection of the appeal, as the case may be.

4. *Period for which licences are to be issued.*—A licence granted under clause 3 shall be valid upto 30th September each year, but may, on application made not less than thirty days before the expiry of the said period, be renewed from time to time, subject to provisions of sub-clause (3) of clause 3 for a period not exceeding twelve months commencing from first October on payment of fees prescribed in Schedule-III:

Provided that an application for renewal of licence may be entertained by the Licensing Authority after the expiry of the above-mentioned period on payment of late fee prescribed in Schedule-IV.

5. *Issue of duplicate licence.*—If a licence granted under this order is defaced, lost or destroyed, the Licensing Authority may issue a duplicate copy thereof on payment of a fee of two rupees.

6. *Licensing authority.*—The Cane Commissioner, Himachal Pradesh shall be the Licensing Authority.

7. *Suspension or cancellation of licence.*—(1) The Licensing Authority may, in case of contravention of any of the provisions of this order or of any condition of the licence, suspend or cancel a licence granted under this order:

Provided that no licence shall be cancelled without giving the licensee an opportunity of being heard.

(2) An appeal against the order of the Licensing Authority under sub-clause (1) may, within thirty days from the date of the order, be preferred to the State Government whose decision thereon shall be final.

(3) The cancellation or suspension of a licence under sub-clause (1) shall not entitle the licensee to any compensation or to the refund of any fee paid in respect of such licence.

8. *Power of Licensing Authority.*—The Licensing Authority or any other person authorised by the State Government in this behalf may with a view to securing compliance with this order:—

- (a) require any manufacturer to give any information in his possession in respect of any process connected with the manufacture of khandsari sugar ;



- (b) require a licensee to maintain, furnish or produce such reports, data or information as may be necessary from time to time;
- (c) inspect any books or documents and any stock of khandsari sugar belonging to, or under the control of, any person in respect of which it or he has reason to believe that a contravention of the order has taken place or is likely to take place and may take such books or documents into possession for examination or scrutiny ;
- (d) enter and search any premises, place or vehicle and seize any article in respect of which the Licensing Authority or the person so authorised has reason to believe that a contravention of this order has been committed or is apprehended ;
- (e) seize and take into custody any implement used in connection with the manufacture of khandsari sugar in respect of which any breach of the provisions of this order or if any condition of the licence has been committed or is apprehended.

9. *Penalties.*—If any person contravenes any of the provisions of this order or condition of the licence, he shall be punishable in accordance with the provision of the Essential Commodities Act, 1955.

## SCHEDULE-I

### FORM OF LICENCE

[Clause 3(1)]

Licence No.....dated.....  
 Shri .....son of or the .....  
 Firm .....  
 Village .....Post Office .....  
 Tehsil .....District .....

is hereby permitted to set up:—

1. Power Crusher/Crusher.....
2. Khandsari Unit.....
- .....
- Tehsil.....District.....

subject to the following conditions:—

1. The licensee shall not carry out any extension addition or alteration in the licensed capacity or location of a power crusher or khandsari unit without the prior permission of the Licensing Authority.

2. The licensee shall, unless exempted from the operation of this condition by a special order of the Licensing Authority or an officer duly authorised by the State Government, maintain a daily account of the quantity of cane crushed, quantity of khandsari sugar prepared and quantity of manufactured khandsari sugar kept in storage or despatched. The licensee shall allow for purposes of inspection immediate access to the entire premises where any of the processes connected with the production of khandsari sugar are carried under the licence to khandsari Officer or the Licensing Authority and shall also be bound to produce on demand for examination all records which he is required to maintain. The stock in hand and the place of storage shall be open for inspection by Khandsari Officer or the Licensing Authority.

3. The licence is liable to be suspended or cancelled by the Licensing Authority for breach of any of the conditions of the licence or of the order. The power crusher, the crusher, and the khandsari unit covered by the suspended licence shall not be put to the commission again for the purpose of these orders without fresh orders of the authority suspending the licence.

4. The licensee shall carry out such further instructions of the State Government or any other person authorised by it as may be issued from time to time to implement and carry out the purpose of the order under which the licence is issued.

5. The licence shall remain valid till.....unless suspended, cancelled or extended by the Licensing Authority.

*Licensing Authority.*

## SCHEDULE-II

### APPLICATION FORM 1

[Clause 3 (2)]

Form of application for grant or renewal of licence to instal or use power Crusher/Crusher for the manufacture of Khandsari Sugar

1. Name of the applicant.
2. Parentage/name of the Firm.
3. Full Address.
4. Season for which licence or renewal of licence is applied for.
5. Premises or place with name of the town or village and Tehsil where Power Crusher/Crusher and Khandsari Unit is proposed to be installed or used.
6. Number of Power Crushers/Crushers/Khandsari Units for which licence is required with their size and capacity to crush cane per day.
7. Number and date of previous licence in case of renewal.
8. Whether the applicant has set up Power Crushers/Crushers/Khandsari Units in the preceding three years? If so, indicate number of Power Crushers/Crushers/Khandsari Units and quantity of Khandsari Sugar manufactured.
9. Whether the applicant has deposited the licence fee at the prescribed rate in the Government Treasury.

10. Please give the following details:—

Treasury Challan No.....

Dated .....

Treasury..... and attach the duplicate copy of it.

*Signature of applicant.*

I/We have read the provisions of the Himachal Pradesh Khandsari Sugar Manufacturers' Licensing Order, 1983 and understand that the licence issued to me/us will be subject to the provisions of the order and that any breach of the conditions of such licence will amount to breach of the order.

I/We declare that to the best of my/our information and belief the above information is correct and complete.

PLACE:

DATE:

*Signature of applicant.*

*Note.*—This application should be submitted through Khandsari Officer of the area concerned who will submit the same along with the report to the Licensing Authority.

### SCHEDULE-III

#### FEES

(Clause 4)

Licence Fee for the year ending 30th September, each year or part thereof:—

(a) Per Power Crusher	... Rs. 300.00
(b) Per Power-Driven Khandsari Units	... Rs. 150.00
(c) Per Hand-driven Khandsari Unit	... Rs. 10.00
(d) Per Crusher	... Rs. 50.00

### SCHEDULE-IV

#### LATE FEES

(Clause 4)

(1) For the first 30 days or part thereof from last date for receipt of the application	... Rs. 15.00
(2) For the next 30 days or part thereof from the date of expiry of the first 30 days	... Rs. 25.00
(3) For any subsequent delay	... Rs. 50.00

HEAD OF ACCOUNT:

"Agricultural Receipts—Agriculture Receipts—Cane Commissioner, Himachal Pradesh."

